Ans. (b) : गाँवों में विवाह के दूसरे दिन वर पक्ष द्वारा वधू पक्ष के यहाँ बारात अगले दिन सुबह विदा न होकर एक दिन और रूकती है तो वह बढ़ार कहलाती है। राजस्थान संस्कृति में ओलंदी शब्द का प्रयोग नवविवाहित दुल्हन के साथ जाने वाले पुरूष व महिलाओं के लिए किया जाता है।

59. बढ़ार भोज किस अवसर पर रखा जाता है?
(a) मृत्यु के समय (b) उत्सवों के समय
(c) विवाह के समय (d) जन्म के समय
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) -2019
कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. 'चिकनी कोथली' है-
(a) पुत्र जन्मोत्सव की एक रस्म
(b) शादी की एक रस्म
(c) मृत्यु पर एक रस्म
(d) नए गृह प्रवेश की एक रस्म
कनिष्ठ अभियंता (सिविल) (डिग्रीधारक)-18.05.2022

Ans. (b) : 'चिकनी कोथली' शादी की एक रस्म है जो मारवाड़ से संबंधित है। यह तिलक समारोह से संबंधित है जिसमें सुहाग भाग का सामान एवं साड़िया दी जाती है।

61. निम्नलिखित में से कौन सी प्रथा विवाह से संबंधित है?
(a) जडूला (b) जलवा पूजन
(c) मूठ भराई (d) मौसर
Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (c) : राजस्थान में मूठ भराई प्रथा विवाह से संबंधित है। यह विवाह के दौरान बारातियों के बीच बैठकर थाली में रखे हुए रुपये को हाथ (मुट्ठी) में लेने के क्रिया है। विवाह से संबंधित अन्य प्रथाएं- पीली चिट्ठी लग्न पत्रिका, कुंकम पत्रिका, सिंजारा, बरी पड़ना, कांकन डोरा, बिन्दोली, परणेत इत्यादि है।

62. निम्न में से राजस्थान में किस रीति-रिवाज का संबंध विवाह से है?
(a) जडूला (b) पनघट पूजा
(c) पगड़ी का दस्तूर (d) सामेला
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (d) – जब बारात दुल्हन के गांव पहुचती है तो वर पक्ष की ओर से नाई या ब्राह्माण आगे जाकर कन्या पक्ष को बारात के आने की सूचना देता है। कन्या पक्ष की ओर से उसे नारियल एवं दक्षिणा दी जाती है। फिर वधू का पिता अपने सगे संबंधियों के साथ बारात का स्वागत करता है, स्वागत की यह प्रक्रिया सामेला कहलाती है।

63. राजस्थान में 'सामेला' शब्द किस अवसर पर प्रयुक्त होता है?
(a) जन्म के समय (b) विवाह के समय
(c) गौना के समय (d) मृत्यु के समय
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. निम्नलिखित में से कौन सा संस्कार जन्म से संबंधित है?
(a) सामेला (b) बान
(c) मौसर (d) जडूला
हथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा-2018
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020

Ans. (d) – सही सुमेलन है-

संस्कार	**संबंधित अवसर**
सामेला	– बारात स्वागत की क्रिया
बान बैठाना	– लग्न पत्र पहुँचने पर वर-वधू को हल्दी लगाना
मौसर	– मृत्यु के 12वें दिन दिया जाने वाला भोज
जडूला	– बच्चे का मुंडन

65. राजस्थान के रीति -रिवाजों में 'मौसर' किसे कहा जाता है?
(a) दहेज
(b) मृत्यु-भोज
(c) गृह-प्रवेश
(d) विवाह के अवसर पर प्रीति भोज
VDO-2021 Exam Date 28.12.21 Shift-III

Ans. (b) – राजस्थान के रीति-रिवाजों में ''मौसर'' किसी व्यक्ति के मृत्यु के उपरान्त दिये गये मृत्यु-भोज को कहा जाता है। यह मृत्यु के 12वें दिन दिया जाता है। यह मुख्यतः राजस्थान के जाट व बिश्नोई समुदायों में प्रचलित है।

66. राजस्थानी संस्कृति में औलंदी क्या है?
(a) राजस्थानी लोक गीत
(b) विवाह का एक प्रकार
(c) एक देशी खेल
(d) नववधु के साथ जाने वाली लड़की या स्त्री
Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (d) – राजस्थानी संस्कृति में औलंदी का अर्थ-नवनिवाहित दुल्हन के साथ जाने वाली स्त्री या पुरूष होता है।

67. राजस्थानी संस्कृति में जांनोटण क्या है?
(a) भूमि का माप
(b) एक प्रकार का लोग गीत
(c) एक कृषि कर
(d) वर-पक्ष की ओर से दिया जाने वाला भोज
Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (d) – राजस्थानी संस्कृति में 'जांनोटण' का अर्थ होता है दूल्हें की तरफ से दिया जाने वाला रात्रि भोज।

68. 'झिम्मी' क्या है?
(a) पुत्र-जन्म के पश्चात् चौदहवें दिन होने वाली रस्म
(b) पर्यूषण-पर्व के दौरान तीन दिन का उपवास
(c) फेरे अथवा सप्तपदी के समय मामा द्वारा दी गई और वधू द्वारा पहनी गई गोटे-किनारी युक्त लाल-गुलाबी ओढ़नी
(d) संतान-प्राप्ति के बाद बेटी को विधि-विधान से ससुराल विदा करने की प्रक्रिया
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (c) : फेरे अथवा सप्तपदी के समय मामा द्वारा दी गई और वधू द्वारा पहनी गई गोटे-किनारी युक्त लाल-गुलाबी ओढ़नी को झिम्मी कहते हैं।

69. 'खोयतू' वस्त्र सम्बन्धित है
(a) मीणा जनजाति से (b) भील जनजाति से
(c) गरासिया जनजाति से (d) सहरिया जनजाति से
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (b) : 'खोयतू' वस्त्र भील जनजाति से सम्बन्धित है। यह वस्त्र कमर से नीचे पहना जाता है।